कृषि एवं किसान कल्याण विभाग
DEPARTMENT OF AGRICULTURE & FARMERS WELFARE
सत्यमेव जयते
भारत सरकार GOVERNMENT OF INDIA | कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय MINISTRY OF AGRICULTURE & FARMERS WELFARE

भाकृअनुप ICAR

क्षेत्रीय कृषि मेला

(पूर्वी क्षेत्र- उड़ीसा, पश्चिम बंगाल, बिहार, झारखंड)

13-15 मार्च, 2026

"विकसित कृषि-उन्नत भारत"

आयोजक:

प्रसार शिक्षा निदेशालय

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय

पूसा, समस्तीपुर-848125 (बिहार)

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा, बिहार

विश्वविद्यालय के बारे में

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा 7 अक्टूबर 2016 को अस्तित्व में आया। यह विश्वविद्यालय पूर्व में राजेन्द्र कृषि विश्वविद्यालय, पूसा के नाम से जाना जाता था, जो कि एक राज्य कृषि विश्वविद्यालय के रूप में कार्य कर रहा था एवं इसकी स्थापना 1970 में बिहार सरकार द्वारा की गयी थी। डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा कृषि के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक स्थान रखता हैं क्योकि यहीं पर सबसे पहले कृषि अनुसंधान और कृषि शिक्षा की नीव रखी गयी थी। इस स्थान का इतिहास सन् 1905 से शुरू होता है, जब देश में बार-बार होने वाली खाद्यान्न की कमी को देखते हुए, ब्रिटिश सरकार द्वारा पूसा में कृषि अनुसंधान संस्थान और कृषि महाविद्यालय की स्थापना की गई थी। वर्तमान में यह केन्द्रीय विश्वविद्यालय, कृषि और संबद्ध विज्ञानों के संदर्भ में शिक्षण, अनुसंधान और प्रसार के क्षेत्र में अपना अधिकार क्षेत्र और उत्तरदायित्व पूरे देश में, विशेष रूप से बिहार राज्य में विस्तारित कर रहा है।

Dr. Rajendra Prasad Central Agricultural University, Pusa, Bihar

Recognized for Excellence!

Ranked 14th

in Agriculture and Allied Sectors

by

NIRF India Rankings 2025

क्षेत्रीय कृषि मेले के बारे में

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय, 13-15 मार्च, 2026 के दौरान "विकसित कृषि - उन्नत भारत" विषय पर देश के पूर्वी क्षेत्रों के लिए एक क्षेत्रीय कृषि मेले का आयोजन करने जा रहा है। इसमें उड़ीसा, पश्चिम बंगाल, बिहार, झारखंड और अन्य राज्यों के प्रौद्योगिकी स्टॉल और किसान भाग लेंगे। यह कृषि मेला किसानों को "विकसित कृषि" के बारे में जानकारी देगा और उन्हें जागरूक करेगा। इसमें कृषि उद्यमों सहित खेत की फसलों, बागवानी, कृषि वानिकी, मत्स्य पालन, पशु विज्ञान और अन्य संबद्ध क्षेत्रों में नई कृषि प्रौद्योगिकियों का प्रचार - प्रसार शामिल है। "उन्नत भारत" का सपना केवल "विकसित कृषि" को प्राप्त करने के माध्यम से ही पूरा किया जा सकता है, जिसमें नवीनतम प्रौद्योगिकियों का उपयोग करते हुए कृषि अर्थव्यवस्था को बढ़ावा दिया जा सकता है। यह क्षेत्रीय कृषि मेला उद्योग और सरकारी संस्थानों के बीच संचार और सहयोग के लिए एक मंच भी प्रदान करेगा, जिससे सहज और टिकाऊ कृषि पद्धतियों को बढ़ावा भी मिल सकेगा।

क्षेत्रीय कृषि मेले के उद्देश्य

इस क्षेत्रीय कृषि मेला का उद्देश्य, आधुनिक कृषि प्रौद्योगिकियों तक पहुंच, जागरूकता और एक संभावित उद्योग - किसान मंच उपलब्ध कराना है, साथ ही उभरते रुझानों के साथ उच्च मूल्य वाली कृषि का विविधीकरण करना एवं किसानों को स्थायी आजीविका के लिए सहायता प्रदान करना है। कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से, यह क्षेत्रीय कृषि मेला, कृषि और संबद्ध विज्ञान में नवीन, उन्नत कृषि प्रौद्योगिकियों की एक श्रृंखला के साथ किसान समुदाय और अन्य हितधारकों को सुविधा प्रदान करेगा, जिससे विज्ञान के साथ कृषि एक समरूपता के साथ आगे बढ़ेगी और क्षेत्र विशेष में लागू होने वाली प्रौद्योगिकियों के बेहतर हस्तांतरण का मार्ग प्रशस्त हो सकेगा।

क्षेत्रीय कृषि मेले के प्रमुख आकर्षण

- **किसान – वैज्ञानिक संवाद (किसान गोष्ठी)**
  उत्पादन प्रौद्योगिकियों और शोध योग्य मुद्दों पर विचार-विमर्श, तिलहन और दलहन मिशन आदि।
- **बीज, सब्जी, औषधीय और सुगंधित रोपण सामग्री प्रदर्शनी**
  गुणवत्तापूर्ण बीजों की बिक्री, गुणवत्ता पर आधारित प्रीमियम पौधों की बिक्री, औषिधियों पौधों व् जड़ी-बूटियां।
- **सरकारी योजनाएं**
  प्रति बूंद अधिक फसल, किसान कॉल सेंटर, ड्रोन-दीदी, पॉली हाउस (ग्रीन हाउस), किसान क्रेडिट कार्ड आदि का प्रदर्शन।
- **फल प्रदर्शनी**
  देसी बेर से लेकर विदेशी कीवी तक प्रीमियम फल प्रदर्शनी।
- **प्रसंस्कृत उत्पाद प्रदर्शनी**
  मूल्यवर्धित और विविध उत्पाद जैसे शहद, बाजरा, मशरूम, मखाना आदि।
- **स्टार्टअप और प्रौद्योगिकी प्रदर्शनी**
  नवाचार, स्टार्टअप और क्रांतिकारी प्रौद्योगिकियां।
- **फसल प्रौद्योगिकी प्रदर्शन**
  नई फसल किस्में जैसे चावल, गेहूं, मक्का (क्यूपीएम), प्राकृतिक खेती/जैविक खेती, एकीकृत कृषि प्रणाली मॉडल आदि।
- **जानवर और पालतू पशु प्रदर्शनी**
  पालतू जानवरों, विदेशी पक्षियों आदि का एक रोमांचक प्रदर्शन।

निमंत्रण

कृषि और संबद्ध व्यवसायों से जुड़े व्यक्ति एवं संगठन, किसान, संस्थाएं, सरकारी और गैर-सरकारी संगठन, किसान उत्पादक संगठन, उत्पादक एवं विपणन संघ, क्षेत्रीय कृषि मेले- 2026 की प्रदर्शनी में भाग लेने, उपस्थित रहने एवं सहयोग करने के लिए सादर आमंत्रित हैं।

प्रदर्शकों के लिए स्टॉल में उपलब्ध सुविधाएं

- स्टॉल में 2 मेज और 2 कुर्सियां होंगी, साथ ही बिजली की सुविधा भी उपलब्ध रहेगी।
- विश्वविद्यालय को स्टॉल के लिए निर्धारित दरों में परिवर्तन, छूट और राहत देने का पूर्ण अधिकार होगा।

स्टॉल

मेले के दौरान विश्वविद्यालय द्वारा निम्नलिखित प्रकार के स्टॉल उपलब्ध कराए जाएंगे:

- तीन तरफ से ढका हुआ स्टॉल, आकार 15'X12'X10'
- किराया मात्र ₹ 8000/- (आठ हजार रुपये)

कार्यक्रम

13 मार्च, 2026 (शुक्रवार) - पंजीकरण, उद्घाटन और प्रदर्शनी

14 मार्च, 2026 (शनिवार) - प्रदर्शनी, गोष्ठी, सेमिनार और प्रक्षेत्र भ्रमण

15 मार्च, 2026 (रविवार) - प्रदर्शनी, गोष्ठी, मूल्यांकन और समापन कार्यक्रम

संपर्क विवरण

आयोजन सचिव

डॉ. रत्नेश कुमार झा
निदेशक, प्रसार शिक्षा, डॉ.रा.प्र.के.कृ.वि.वि. , पूसा, समस्तीपुर
ई-मेल: dee@rpcau.ac.in, मोबाइल: 6287797109, 7759935426, 9430804115

सह-आयोजक सचिव

डॉ. आर. के. तिवारी
वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं विभागाध्यक्ष
के.वी.के.-बिरौली
डॉ. रा. प्र. के. कृ. वि. वि. , पूसा
ई-मेल: head.kvk.birauli@rpcau.ac.in
मोबाइल: 7295046855

डॉ. एम. एल. मीना
वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं विभागाध्यक्ष
के.वी.के.-तुर्की
डॉ. रा. प्र. के. कृ. वि. वि. , पूसा
ई-मेल: head.kvk.turki@rpcau.ac.in
मोबाइल: 9414856397

डॉ. बिनीता सतपथी
सह – प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष
कृषि प्रसार शिक्षा विभाग
पी.जी.सी.ए., डॉ. रा. प्र. के. कृ. वि. वि. , पूसा
ई-मेल: bineeta.satpathy@rpcau.ac.in
मोबाइल: 7978505027